भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या2019

जिसका उत्तपर 10दिसंबर,2015 को दिया जाना है

भूमिगत कोयला गैसीकरण

2019.डॉ॰ उदित राजः

क्याe**कोयला मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भावी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए देश में विकसित भूमिगत कोयला गैसीकरण (यूजीसी) प्रौद्योगिकी की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) इस उद्देश्य के लिए अब तक पहचान किए गए कोयला और लिग्नाइट ब्लॉकों का ब्यौरा क्या है; और

(ग) देश में इस प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तmर

कोयला, विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में राज्यa मंत्री (स्व तंत्र प्रभार)

(श्री पीयूष गोयल)

(क) : भारत में भूमिगत कोयला गैसीफिकेशन (यूसीजी) प्रौद्योगिकी विकसित नहीं की गई है।

(ख) : सेन्ट्रंल माइन प्लाफनिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआई) ने नेयवेली लिग्ना इट कारपोरेशन लिमिटेड (एनएलसी), भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई,) खान सुरक्षा महानिदेशालय (डीजीएमएस,) सिंगरैनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) जैसे संगठनों के परामर्श से इस प्रयोजनार्थ निम्नैलिखित 7 ब्लॉ कों (5 लिग्नांइट एवं 2 कोयला) की पहचान की है।

क. लिग्ना इट ब्लॉक

1. सिंधरी वेस्टबबाड़मेर, राजस्थागन
2. छोकला नार्थ, बाड़मेर, राजस्थाेन
3. निम्बानलकोटबाड़मेर, राजस्था न
4. नागुरदा, बाड़मेर, राजस्थाेन
5. डुंगरा, सूरत,गुजरात

ख. कोयला ब्लॉाक

1. येलेंदु (डिप साइड)- एससीसीएल
2. बांधा - सिंगरौली मुख्यड बेसिन

इसके अलावा , सीएमपीडीआई ने कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) के क्षेत्रों में 2 ब्लॉकों अर्थात् सेंट्रल कोलफील्ड्सि लिमिटेड (सीसीएल) के अंतर्गत रामगढ़ कोलफील्डे में कैथा तथा वेस्टर्न कोलफील्ड्सललिमिटेड (डब्यूगिक सीएल) के अंतर्गत पेंच-कन्हान कोलफील्ड में सीथेसीओसी पहचान की है।

(ग) : भारत में यूसीजी के विकास से संबंधित कार्य 80 के शुरुआती दशक में सोवियत विशेषज्ञों के साथ कोल इंडिया और ऑयल एंड नेच्युीरल गैस कारपोरेशन (ओएनजीसी) द्वारा अलग से शुरू किए गएथे। यद्यपि सीआईएल/सीएमपीडीआई कार्यकलाप शैलो कोयला सीमो तक सीमित थे जब कि ओएनजीसी ने डीपर हॉरिजन में कोयला/लिग्नाैइट के भंडार वाले क्षेत्रों में अध्यमयन शुरू किया था।परियोजना की तकनीकी-आर्थिक व्ययवहार्यता को सुनिश्चि त करने के लिए सीआईएल/सीएमपीडीआई द्वारा मेरता रोड लिग्ना इट डिपाजिट में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एस एंड टी) की एक परीक्षण परियोजना शुरू की गई थी। तथापि, भू-जल संदूषण की आशंका पर परियोजना को और आगे नहीं बढ़ाया जा सका।

*****